सीरी-पिलानी में फ़िनोम इंडिया परियोजना के अंतर्गत सीरोलॉजी सर्वे

वीडी न्यूज

फिनोम इंडिया परियोजना के अंतर्गत सीरी-पिलानी में 4-6 सितंबर तक लगे स्वास्थ्य जाँच कैंप के दौरान सीरी के वर्तमान व सेवानिवृत्त कार्मिकों व उनके परिजनों के सीरोलॉजी परीक्षण के लिए रक्त संग्रहण किया गया। इस कैंप में संग्रहीत रक्त नमूनों का उपयोग रोगाणुओं के खिलाफ मानव शरीर में एंटीबॉडी की स्थिति का आकलन करने के लिए SARS-CoV-2 जैसे रोगाणुओं के कारण होने वाली संक्रामक बीमारियों के कारण जानने के उद्देश्य से सीरोलॉजी परीक्षण के लिए किया जाएगा।

रोग के कारण की जांच के लिए और जोखिम कारक और स्वास्थ्य परिणाम के बीच संबंध स्थापित करने के लिए अध्ययनों से बड़े पैमाने पर प्राप्त फिनोम डेटा बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन अध्य यनों से विशेष रूप से संक्रामक और पुराने गैर-संक्रामक रोगों के लिए नैदानिक और रोगनिरोधी बायोमार्कर्स के कारण और विकास की स्थापना में जानकारी का खजाना उपलब्ध कराया जा सकता है।

भारत में यह इस प्रकार अपना विशिष्ट प्रयोग है जिसमें अपने नागरिकों की स्वास्थ्य जीवन शैली के अध्यपयन की बड़े पैमाने पर व्यवस्था की जा रही है। भारत में भिन्न आनुवांशिक-जातीय पृष्ठभूमि और भौगोलिक और पर्यावरणीय स्थितियों को देखते हुए ऐसे कारकों की पहचान करना और भी अधिक उचित है। इसलिए सीरी-पिलानी के कर्मचारियों को इस अध्ययन में भाग लेने के लिए कहा गया है।

कार्यक्रम के अन्वेषक आईजीआईबी, नई दिल्ली के डॉ. शांतनु सेनगुप्ता थे, सीएसआईआर-सीरी-पिलानी में इसका समन्वकय वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय अग्रवाल ने किया। सीरी डिस्पेन्सरी में चलाए जा रहे इस कैंप में आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश गुप्ता और उनकी टीम ने सीरोलॉजी जाँच में सहयोग किया। डॉ. अग्रवाल के अनुसार तीन-दिवसीय कैंप में 400 से अधिक व्यक्तियों के रक्त सैम्पल एकत्र किए गए।

सीरी-पिलानी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने बताया कि यह सर्वे व्यापक पैमाने पर भारत में पहली बार किया जा रहा है और देशभर में फैली सीएसआईआर की राष्ट्रीय प्रयोगशालाएँ सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली द्वारा संचालित फिनोम इंडिया परियोजना में सहयोग कर रही हैं। यह शोध अध्ययन मानव शरीर में रोग के कारणों का पता लगाने की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है।

अध्ययन का उद्देश्य : भावी परिणामों की स्थापना के लिए जीवन शैली, आहार और नैदानिक जानकारी प्राप्त करने के लिए एक मानकीकृत प्रोटोकॉल विकसित करना और स्वास्थ्य परिणामों की जांच करने के लिए आणविक प्रोफाइलिंग करना और SARS-CoV-2 जैसे रोगाणुओं के कारण होने वाली संक्रामक बीमारियों के लिए सीरोलॉजी परीक्षण करना इस अध्य यन के प्रमुख उद्देश्यों हैं।

अध्ययन की प्रक्रिया और विधि : वर्तमान में ली जा रही दवाओं के उपयोग के इतिहास सहित जनसांख्यिकीय, जीवन शैली और नैदानिक इतिहास पर जानकारी प्राप्त करने के लिए विस्तृत प्रश्नावली की मदद से प्रतिभागी का साक्षात्कार लिया गया। इसके साथ ही रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा, रक्तचाप, शरीर का तापमान की जाँच भी इस परीक्षण में शामिल था। जाँच करवाने वाले व्यक्ति को इस अध्ययन से कोई तात्कालिक लाभ नहीं है परंतु इस अध्ययन का परिणाम बीमारी के कारण की जांच करने और जोखिम कारक और स्वास्थ्य परिणाम के बीच संबंध स्थापित करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह विशेष रूप से पुराने या स्थायी गैर संक्रामक रोगों के लिए नैदानिक और रोगनिरोधी बायोमार्कर्स के कारणों और शरीर में उनके विकास का पता लगाने के लिए जानकारी उपलब्ध करा सकता है। यदि कोई व्यक्ति पहले से ही SARS-CoV-2 जैसे रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रामक रोगों के प्रति एंटीबॉडी विकसित कर चुका हो तो 'सीरोलॉजी टेस्ट' का परिणाम उसे यह समझने में भी मदद करेगा।

इस अध्ययन में शामिल प्रतिभागी को कोई जोखिम नहीं है, उनसे स्वास्थ्य के साथ-साथ आहार और जीवन-शैली के बारे में सवाल पूछे गए।